Lecture - 97.

ऑलिवर क्रॉमवेल की विदेश नीति

– ममता रानी
अतिथि सहायक प्राध्यापक
इतिहास विभाग
एस० एन० एस० आर० के०
एस० कॉलेज, सहरसा

Thursday 19 Week-47 324-042

युद्ध कर रहे थे। स्वीडन, प्रोटेस्टेण्ट वर्ग डेनमार्क और हॉलैंड जैसी प्रोटेस्टेण्ट शक्तियाँ धर्म की भावना को छोड़कर व्यापार और अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा हेतु परस्पर संघर्ष करने को तैयार थीं तथा क्रॉमवेल के कहने से परस्पर सहयोग हेतु तत्पर न हुई। क्रॉमवेल इस परिवर्तन परिस्थिति को नहीं समझ सका। इसी कारण उसका प्रोटेस्टेण्ट राज्यों का एक संघ बनाने का प्रयत्न असफल हुआ फिर भी स्वीडेन से दो व्यापारिक संधियाँ की गई जिनसे इंग्लैंड का बाल्टिक समुद्र में व्यापार करने का अधिकार प्राप्त हो गया। इसके अलावा, क्रॉमवेल ने डेनमार्क और पुर्तगाल से भी व्यापारिक संधियाँ करने में सफलता प्राप्त की। इन संधियों से इंग्लैंड के व्यापार की पर्याप्त उन्नति हुई। इसी समय क्रॉमवेल को यूरोप की राजनीति में हस्तक्षेप करने का एक और अवसर मिला। जर्मनी में तीस वर्षीय युद्ध समाप्त हो चुका था परन्तु स्पेन और फ्रांस में युद्ध चल रहा था और वे दोनों इंग्लैंड की मित्रता के इच्छुक थे। ऐसा प्रतीत होने लगा कि इंग्लैंड और फ्रांस में युद्ध हो जायेगा क्योंकि फ्रांस और इंग्लैंड के नाविक समुद्र पर एक दूसरे से युद्ध कर रहे थे और सन्

Friday 20 Week-47 325-041

21 Saturday 326-040 Week-47

1652 ई० में इंग्लैंड के नौ सेनापति Blake ने फ्रांसीसी प्रोटेस्टेण्टों को सहायता करने हेतु Dunkirk के निकट एक फ्रांसीसी जल बेड़े को नष्ट कर दिया था। सन् 1656 ई० में स्पेन ने इंग्लैंड के विरुद्ध युद्ध घोषित कर दिया तथा स्पेन और इंग्लैंड का नौ-सेना से स्थान-स्थान पर युद्ध होने लगे। उस वर्ष Admiral Stayner ने Cading के निकट स्पेन के एक जहाजी बेड़े को परास्त किया। इन दो युद्धों ने स्पेन की कमर तोड़ दी। पुर्तगाल जीतने हेतु एकत्रित उनकी सेना वेतन भुगतान न होने के कारण भंग हो गई और एक दूसरी सेना सहायता न पहुंच सकने के कारण नीदरलैंड में

22 Sunday 327-039 Week-47

फ्रांस और इंग्लैंड की सेनाओं से घिर गई।

क्रॉमवेल ने सन् 1655 ई० में फ्रांस से एक समझौता कर लिया था और सन् 1656 ई० मे फ्रांस से एक संधि कर ली जिससे इंग्लैंड को निम्नांकित दो लाभ हुए –

(i) इंग्लैंड को इस युद्ध में सफलता प्राप्त हुआ इसके पश्चात Mardyek और Dunkirk प्राप्त हुआ और –

(ii) Savoy के Duke ने फ्रांस के दबाव से प्रोटेस्टेण्टों पर अत्याचार करना बन्द कर दिया और क्रॉमवेल को यूरोप में प्रोटेस्टेण्टों का रक्षक माना गया।

17 Tuesday 322-044 Week-47

दिसम्बर, 1653 ई० में जब वह संरक्षक नियुक्त हुआ तो उसने उस युद्ध को जारी रखना उपयुक्त समझा। सन् 1654 ई० में हॉलैंड संधि को तैयार हो गया और उसने इंग्लैंड की सभी शर्तें स्वीकार कर ली। उसने इंगलिश चैनल में इंग्लैंड के जहाजों को सलामी देना, राजतन्त्र के समर्थकों को अपने देश निकलना और नाविक कानूनों को मानना स्वीकार कर लिया। क्रॉमवेल की यह प्रथम सफलता थी। रम्प द्वारा प्रारम्भ किये गये कार्यों को उसने सफलतापूर्वक पूरा किया।

18 Wednesday 323-043 Week-47

क्रॉमवेल की विदेश-नीति के निम्नांकित तीन उद्देश्य थे:-

(i) स्टुअर्ट राजा विदेशी सहायता लेकर इंग्लैंड के सिंहासन पर पुनः न बैठ सके
(ii) प्रोटेस्टेण्ट धर्म की सुरक्षा और उसका विस्तार करना।
(iii) इंग्लैंड के व्यापार की शुरुआत करना।

अपने उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु क्रॉमवेल निरन्तर प्रयत्नशील रहा। डच युद्ध की समाप्ति के पश्चात उसने यूरोप की प्रोटेस्टेण्ट शक्तियाँ थीं परन्तु दोनों एक दूसरे के विरुद्ध

Sunday 15
Week-46 320-046

Q3 ऑलिवर क्रॉमवेल की विदेश नीति का मुल्यांकन करें।

Ans जेम्स प्रथम की दुर्बल कूटनीति और बकिंघम की पराजय ने यूरोप में इंग्लैंड के सम्मान को नष्ट कर दिया था। गणतन्त्र के शासनकाल में इंग्लैंड ने खोये हुए सम्मान को नष्ट कर दिया था। गणतन्त्र के शासनकाल में इंग्लैंड ने खोये को फिर से प्राप्त करने का प्रयत्न किया। रम्प-पार्लियामेंट और निस्सन्देह क्रॉमवेल की दृढ़ वैदेशिक नीति ने इंग्लैंड के सम्मान में वृद्धि की। अंग्रेज नौ-सेना ने राजा ने राजा के समर्थकों का मेडीटेरियन समुद्र तक पीछा किया, पुर्तगाल को विरोध किया, फ्रांस के व्यापार पर आक्रमण किया, हालैण्ड और स्पेन ने युद्ध किया और उनमें से अनेक में सफलता प्राप्त करके एकबार फिर एलिजाबेथ के समय की भाँति इंग्लैंड की नौ-सेना की शक्ति और उसके सम्मान को स्थापित किया। क्रॉमवेल ने फ्रांस इचयुद्ध को विरासत के रूप में रम्प संसद से प्राप्त किया।

Monday 16
Week-47 321-045

क्रॉमवेल के विदेश नीति से प्राप्त स्थाई लाभ मुख्यत: निम्नलिखित थे:-

(i) उसने इंग्लैंड को मैडीटेरियन समुद्र से नौ-सेना की नियुक्ति करने और Gibralter के अपने अधिकार में रखने का विचार किया जिससे भविष्य में इंगलैंड को काफी लाभ हुए।

(ii) इंग्लैंड की शक्ति को दुर्बल करके उसने इंगलैंड की व्यापारिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया।

(iii) प्रोटेस्टेण्ट के राज्यों के साथ संधि करके और प्रोटेस्टेण्टों के अधिकारों को सुरक्षित रखने के प्रयत्नों के कारण उसे यूरोप में प्रोटेस्टेण्ट धर्म का रक्षक माना गया।

(iv) स्पेन से युद्ध करके उसने इंगलैंड के औपनिवेशिक विस्तार में सहायता प्रदान की।

क्रॉमवेल ने प्रथम दो स्टुअर्ट शासकों के समय में खोये हुए इंगलैंड के सम्मान को पुनः स्थापित ही नहीं किया बल्कि ऐसे भी कार्य किए जिससे इंगलैंड को महान बनाने में सफलता मिल